Amar Ujala
New Delhi, 28 February 2019

'ए क्वांटम लीप इन द रांग डायरेक्शन' का अमर्त्य सेन ने किया विमोचन

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। चार शिक्षाविदों ने अंग्रेजी की किताब 'ए क्वांटम लीप इन द रांग डायरेक्शन' (दो कदम पीछे) में 14 बिंदुओं पर सवाल उठाते हुए बीते पांच साल में मोदी को विकास और हिंदुत्व दोनों एजेंडों पर फेल बताया है। दिल्ली में बुधवार को जाने-माने अर्थशास्त्री अमर्त्य सेन ने इस किताब का विमोचन किया।

जेएनयू में इकोनोमिक्स के प्रोफेसर और किताब के लेखक रोहित आजाद के मुताबिक, 2014 के लोकसभा चुनाव में जिस मोदी एजेंडे के तहत भाजपा सत्ता में आई थी, वह फेल है। लोकसभा चुनाव 2019 से पहले इन पांच सालों के विकास का आकलन किया गया है। इसमें यूपीए एक और यूपीए दो से तुलना भी की गई है। प्रो. रोहित आजाद के मुताबिक, बैंकिंग चैप्टर में बैंकों की हालत पर प्रकाश डाला गया है। बैंकों की हालत बदतर है। 2017-18 में मुनाफा नेगेटिव है। मोदी सरकार में बैंकों से धोखाधड़ी

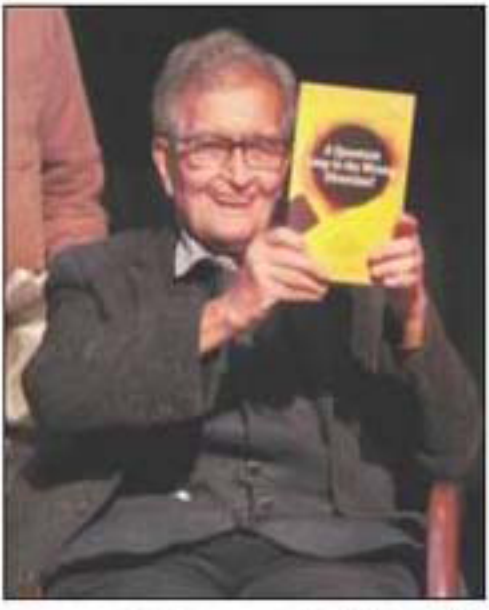

पुस्तक में विकास और हिंदुत्व के एजेंडे पर मोदी को बताया फेल

के आंकड़े सबसे अधिक हैं। विकास दर यूपीए एक के कार्यकाल से भी एक फीसदी कम है। असमानता भी सबसे अधिक है। भारत की कुल पूंजी में से आधी महज एक फीसदी लोगों के पास है। अन्य पचास फीसदी पूंजी 99 फीसदी जनता के पास। नोटबंदी के चलते रोजगार को सबसे अधिक नुकसान पहुंचा।